मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

सत्रीय कार्य

फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र (CPJ – 11)

जमा करने की अन्तिम तिथि – 15 जनवरी 2015

कोर्स शीर्षक - फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त **कोर्स कोड – PJ - 102**

शैक्षिक सत्र - 2014 – 15 **अधिकतम अंक – 40**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड – 'क'

1. ज्योतिष क्या है ? प्रमुख प्रवर्तकों का उल्लेख कीजिये ।
2. सिंह, कन्या एवं तुला राशि के स्वरूप का वर्णन कीजिये ।
3. ग्रहों को परिभाषित करते हुये उनका संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
4. जन्मांग चक्र में सप्तम एवं दशम भाव को समझाइये।
5. शुक्र के लग्न में स्थित होने का फल लिखिये ।
6. द्वादश भावों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।
7. ग्रहों के मित्रामित्र का उल्लेख कीजिये।
8. पंचमहापुरूष योग को परिभाषित करते हुये शश योग को समझाइये।

खण्ड - 'ख'

1. ज्योतिषोक्त नवग्रहों का महत्व निरूपित कीजिये ।
2. गुरू एवं शुक्र का द्वादश भाव में स्थिति का फल लिखिये।
3. पंचांग किसे कहते है ? स्पष्ट कीजिये।
4. दशा से क्या तात्पर्य है ? विंशोत्तरी दशा साधन कीजिये।